फिल्मों के जरिए आदिवासी मुद्दे और चुनौतियां हुईं साझा

आईआईएम

- आईआईएम रांची में दो दिवसीय स्वदेशी फिल्म महोत्सव संपन्न
- अंतिम दिन 'जौहर', 'रैट ट्रैप' और 'जल जंगल जमीन' की हुई स्क्रीनिंग

रांची, प्रमुख संवाददाता। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), रांची में संवाद ओर टाटा स्टील फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय स्वदेशी फिल्म महोत्सव का समापन रविवार को हुआ। दूसरे दिन महोत्सव की शुरुआत निर्देशक और संपादक अभिजीत पात्रो की एथनोग्राफिक डाक्यूमेंट्री फिल्म जौहर की स्क्रीनिंग के साथ हुई।

यह भारत के राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान, इटली के वाकापापा फिल्म महोत्सव सहित कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों का हिस्सा रही है। साथ ही, हांगकांग के ग्लोबल यूनिवर्सिटी फिल्म अवाड्र्स ने फिल्म को पुरस्कृत किया।

अगली फिल्म रैट ट्रैप जो कोयला खनिकों के बारे में थी। रूपेश साहू निर्देशित, इस फिल्म को काफी पसंद किया गया। आखिरी फिल्म जल जंगल जमीन थी। आईआईएम के निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने सभी फिल्म निर्देशकों को सम्मानित किया। बड़ी संख्या में छात्र व शिक्षक मौजूद रहे।

Hindustan_28.08.2023_Pg. 08